दैनिक जागरण inext

PAGE NO 04 BOTTOM

संशय, भय और पक्षपात से बचते हुए मिशन बनाकर करें काम

मंच पर बैठे चीफ गेस्ट और स्पेशल गेस्ट.

सीईटी के प्रियांक और सीईटीआर की दीक्षा को श्रीराम मूर्ति गोल्ड मेडल के साथ 51,000 रुपये का दिया पुरस्कार

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (8 Feb): गीता में श्रीकृष्ण ने कहा कि कर्म में कुशलता ही योग है, इसलिए कर्म को कुशलता से करो. यह संदेश डा. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विवि के कुलपति प्रोफेसर डा. जय प्रकाश पांडेय ने विद्यार्थियों को दिया. उन्होंने अपना विजन और मिशन खुद बनाने की सलाह दी. एसआरएमएस ट्रस्ट के इंजीनियरिंग कालेजों के 24वें दीक्षा समारोह में डा. जय प्रकाश ने गीता के श्लोक का उदाहरण देते हुए कहा कि विजन और मिशन के प्रति संशय न रखें, परिणाम से भयभीत न हों, कभी पक्षपात न करें. खुद अपना मूल्यांकन करें, यह जितना सटीक होगा सफलता उतनी ही आसान होगी. उन्होंने कहा कि 2047 में हमको विकसित भारत बनना है. जब यह देश विकसित भारत बनेगा तो आप लोग उसके कर्णधार बनेंगे.

दिए महत्वपूर्ण टिप्स

टाटा कन्सल्टेन्सी सर्विस लखनऊ के डिलीवरी सेंटर हेड अमिताभ तिवारी ने विद्यार्थियों को डिजिटलाइजेशन का फायदा उठाने की सलाह देकर स्टार्टअप स्थापित करने के लिए प्रेरित किया. अमिताभ ने कहा कि आप सौभाग्यशाली है कि आप यहां से डिग्री लेकर जा रहे है. यह जिंदगी का नया अध्याय जरूर है लेकिन पढ़ाई का अंत नहीं. मैकएफी इंक बंगलुरू के डायरेक्टर आफ डाटा इंजीनियरिंग के इंजीनियर कुशवाहा मनीष कौशल ने 25 वर्ष पहले एसआरएमएस कालेज में पढ़ाई के दिनों को याद किया.

विद्यार्थियों को दिए चेक

सभी कोर्स से एक-एक विद्यार्थी को फीस माफी योजना के चेक विद्यार्थियों को दिए. आठ विद्यार्थियों को 11.33 लाख रुपये के चेक देकर फीस माफी की गई. एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति ने ट्रस्ट की ओर से विगत वर्षों में किए गए शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक उत्थान के लिए किए कामों की सभी को जानकारी दी. उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए ट्रस्ट ने पहले इंस्टालमेंट के चेक वितरित किए.

पेश की वार्षिक रिपोर्ट

इससे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर प्रभाकर गुप्ता ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और यहां संचालित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से सभी को अवगत कराया. उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में इस वर्ष बीबीए, बीसीए, होटल मैनेजमेंट जैसे नए कोर्स आरंभ होने के साथ वैल्यू एडेड कोर्स शुरू किए. इस वर्ष 18 पेटेंट स्वीकृत होने और प्लेसमेंट सेल के बारे भी बताया. एसआरएमएस ट्रस्ट के प्रेरणास्रोत स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति के 115वें जन्म दिवस पर आयोजित दीक्षा समारोह में एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च के बीटेक, बीफार्मा, एमबीए, एमसीए के सत्र 2023-2024 में उत्तीर्ण 247 छात्र-छात्राओं को उपाधियां, प्रशस्ति पत्र और पदक दिए गए. सीईटी और सीईटीआर में बीटेक 2020-2024 बैच में सर्वाधिक अंक हासिल करने के लिए प्रियांक गुप्ता और दीक्षा पटेल को श्रीराम मूर्ति गोल्ड मेडल के साथ 51,000 रुपये, खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए सीईटी की काजल पांडेय और सीईटीआर की अर्चना मिश्रा को ट्रॉफी के साथ विशेष पुरस्कार दिया. इससे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर प्रभाकर गुप्ता ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और यहां संचालित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से सभी को अवगत कराया. उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में इस वर्ष बीबीए, बीसीए, होटल मैनेजमेंट जैसे नए कोर्स आरंभ होने के साथ वैल्यू एडेड कोर्स शुरू किए. इस वर्ष 18 पेटेंट स्वीकृत होने और प्लेसमेंट सेल के बारे भी बताया. इस मौके पर आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, एसआरएमएस सीईटी के वाइस प्रिंसिपल डा. शैलेंद्र देवा, इंजीनियर सुभाष मेहरा, रवि साह, प्रोफेसर श्यामल गुप्ता, ऊषा गुप्ता, डा. रजनी आकार, डा. आलोक खरे, डा. वंदना शर्मा, डा. एमपी कलहंस, डा. जसबीर कौर, डा. मृदुल महेश्वरी आदि मौजूद रहे.